

हिन्दी

धोरण : 9

पाठ : 20

# धरती की शान

## स्वाध्याय



## **प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए :**

**(1) कवि की हृष्टि में सर्वाधिक महान कौन है ?**

➤ कवि की हृष्टि में सर्वाधिक महान मनुष्य है।

**(2) आप क्या-क्या कर सकते हैं ?**

➤ एक विद्यार्थी होने के नाते मैं अच्छे से अच्छा इन्सान बनकर वे सारे काम कर सकता हूँ जो मेरे कार्य-क्षेत्र में आते हैं।

**(3) अन्य जीवों से मनुष्य महान कैसे है ?**

➤ अन्य जीवों से मनुष्य महान है। अन्य जीव अब भी बहुत पिछड़े हैं जबकि मनुष्य ने जल, थल और नम्ब पर अपना प्रभुत्व स्थापित कर लिया है।

**(4) धरती-सा धीर किसे कहा गया है ?**

➤ धरती-सा धीर मनुष्य को कहा गया है।

**(5) धरती की शान कविता के रचयिता कौन हैं ?**

➤ 'धरती की शान' कविता के रचयिता पंडित भरत व्यास हैं।

## **प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सविस्तार लिखिएः**

**(1) कविता में कवि ने किन प्राकृतिक दृश्यों का चित्रण किया है? कैसे?**

➤ कवि ने कविता में पहाड़, नदियाँ, धरती, आकाश, हवा जैसे प्राकृतिक दृश्यों का चित्रण किया है। कवि ने मनुष्य को असीम शक्तियों से संपन्न बताया है। वह कहता है कि मनुष्य चाहे तो पर्वतों को फोड़ सकता है। वह चाहे तो नदियों के प्रवाह को मोड़ सकता है। वह अगर ठन ले तो धरती और आकाश को जोड़ भी सकता है। मनुष्य पवन-सा गतिमान है। इसलिए वह आकाश में ऊँची-से ऊँची उड़ान भरने में समर्थ है।

(2) प्रस्तुत कविता में मनुष्य के प्रति किस भाव की अभिव्यक्ति हुई है, और उससे हमें क्या प्रेरणा मिलती है ?

➤ 'धरती की शान' कविता में मनुष्य को सर्वशक्तिमान बताया गया है। उसकी आत्मा परमात्मा का रूप है। इस दृष्टि से मनुष्य अजर-अमर प्राणी है। इससे हमें यह प्रेरणा मिलती है कि मनुष्य होने के कारण हमें अपने लक्ष्य ऊँचे रखने चाहिए। हमें किसी काम को पहचानकर कठिन-से-कठिन कार्य करने में पीछे नहीं हटना चाहिए। हमें निराशा का शिकार होकर अपनेआप को कभी अशक्त नहीं अनुभव करना चाहिए।

### (3) धरती की शान से कवि का क्या तात्पर्य है ? भाव स्पष्ट कीजिए ।

► 'धरती की शान' से कवि का तात्पर्य मनुष्य की गौरवपूर्ण उपलब्धियाँ हैं। मनुष्य ने अपने बुद्धिबल से ऐसे अनेक कार्य कर दिखाए हैं, जो कभी असंभव माने जाते थे। मनुष्य ने सभ्यता और संस्कृति के ऊँचे आदर्श कायम किए हैं। उसने धरती पर के सभी प्राणियों में अपने को सर्वश्रेष्ठ साबित कर दिया है। इसलिए कवि मनुष्य को 'धरती की शान' मानता है।

**(4) मनुष्य के लिए कोई भी कार्य असंभव नहीं है काव्य के आधार पर अपने विचार प्रकट कीजिए।**

►मनुष्य अत्यंत समर्थ प्राणी है। वह चाहे तो पहाड़ों को फोड़ सकता है। वह चाहे तो नदियों के प्रवाह की दिशा बदल सकता है। वह मिट्टी से अमृत निचोड़ सकता है। वह चाहे तो काल को भी रोक सकता है। इस प्रकार मनुष्य हर असंभव कार्य को संभव बना सकता है।

## (5) धरती की शान कविता का केन्द्रीय भाव स्पष्ट कीजिए।

➤ 'धरती की शान' कविता में कवि ने मनुष्य को धरती का 'सर्वशक्तिमान प्राणी' बताया है। कवि के अनुसार मनुष्य में अनेक प्रकार की शक्तियाँ छिपी हुई हैं। मनुष्य अपनी इन शक्तियों को नहीं पहचानता। इसीलिए वह असहाय बन जाता है। सच यह है कि मनुष्य महाकाल बन सकता है। उसकी आवाज युग बदल सकती है। वह चाहे तो ऊँची-से ऊँची उड़ान भर सकता है। इस प्रकार कविता का केन्द्रीय भाव मनुष्य को अपनी शक्तियों को पहचानने के लिए प्रेरित करना है।

### **प्रश्न 3. निम्नलिखित काव्य – पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए :**

**(1) गुरु-सा मतिमान,**

**पवन-सा त् गतिमान,**

**तेरी नभ से भी**

**ऊँची उड़ान है रे ।**

- **मनुष्य के पास बुद्धि की कमी नहीं है। उसके पास वृहस्पति जैसी प्रतिभा है। वह वायु जैसी गति रखता है। वह चाहे तो आकाश से भी ऊँचा उठ सकता है। कवि**

**कहना चाहता है कि यदि मनुष्य अपने अंदर छिपी शक्तियों  
को जाग्रत कर ले तो उसके लिए कुछ भी असंभव नहीं है।**

**(2) धरती की शान,**

**तू भारत की संतान  
तेरी मुष्टियों में  
बंद तूफान है रे**

- प्रत्येक भारतवासी महान है। उसमें अनंत शक्तियाँ छिपी हुई हैं। वह अपने आपमें तूफान जैसी शक्ति रखता है। वह चाहे तो उसकी उपलब्धियाँ धरती का गौरव बन सकती हैं।

#### **प्रश्न 4. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए :**

- (1) भूचाल - भूकंप
- (2) हिमगिरि - हिमालय
- (3) वाणी - वचन
- (4) तूफान - कहर
- (5) अमृत - सुधा
- (6) धीर - धैर्ययुक्त
- (7) हिम्मत - वीरता
- (8) नभ - आकाश
- (9) निज - अपना

## **प्रश्न 5. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :**

- (1) अमृत × जहर
- (2) अम्बर × धरती
- (3) अमर × मात्र्य
- (4) धीर × अधीर
- (5) वीर × कायर
- (6) पाप × पुण्य
- (7) जीवन × मृत्यु

## प्रश्न 6. सही विकल्प चुनकर लिखिए :

(1) तू जो चाहे पर्वत पहाडँ को....

(अ) मोइ दे

(ब) फोड़ दे

(क) तोड़ दे

(ड) जोड़ दे

(2) पृथ्वी के लाल तेरा हिमगिरि-सा...

(अ) हाल

(ब) भाल

(क) काल

(ड) मिसाल

(3) \_\_\_\_\_ को तू जान, जरा शक्ति पहचान

**(अ) निज**

**(ब) स्वयं**

**(क) खुद**

**(ड) स्व**

(4) तू जो अगर हिम्मत से \_\_\_\_\_ ले

**(अ) ठन**

**(ब) जान**

**(क) काम**

**(ड) पहचान**

## **प्रश्न 7. काव्य-पंकितयाँ पूर्ण कीजिए :**

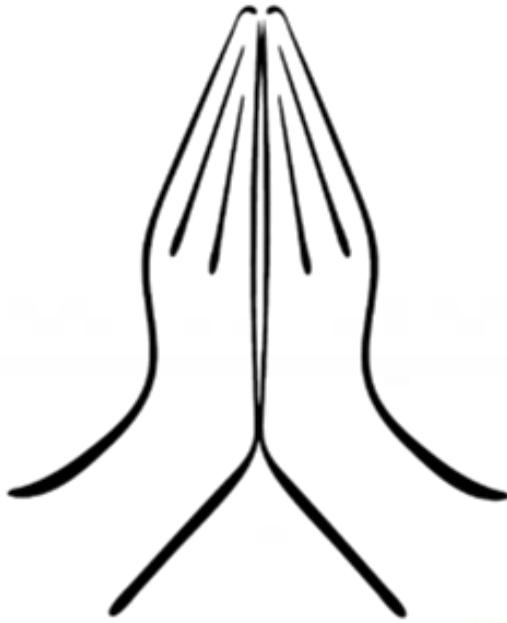
**(1) धरती ..... महान है॥**

➤ धरती की शान तू भारत की संतान,  
तेरी मुद्दियों में बंद तूफान है रे,  
मनुष्य तू बड़ा महान है॥

**(2) तू जो ..... उड़ान है रे॥**

➤ तू जो अगर हिम्मत से काम ले,  
गुरु-सा मतिमान, पवन-सा तू गतिमान,  
तेरी नभ से भी ऊँची उड़ान है रे॥

# Thanks



# For watching